आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

04.04.2024 समय : 1850

- चुनाव के दौरान एस एम एस के गलत इस्तेमाल और सोशल मीडिया प्लेटफार्म के दुरूपयोग को रोकने के लिए पुलिस विभाग की ओर से आम जनता के लिए एक समर्पित व्हाट्सऐप नम्बर जारी किया गया है।
- निकोबार ज़िले में शोम्पेन आदिम जनजाति के मतदाताओं के लिए दो मतदान केन्द्र बनाए गए हैं।
- अंडमान निकोबार पुलिस की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।
- निर्वाचन आयोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप पर फैलाए जा रहे उस भ्रामक संदेश को फर्जी करार दिया, जिसमें कहा गया है कि सरकारी कर्मचारी डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान नहीं कर सकते।
- मतदाता जागरूकता के लिए आई आर बी एन की ओर से बुलेट रैली का आयोजन किया गया।

<><><><><><><>

चुनाव के दौरान एस एम एस के गलत इस्तेमाल को रोकने तथा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म के दुरूपयोग की रोकथाम के लिए अंडमान निकोबार पुलिस की ओर से आम जनता के लिए एक समर्पित व्हाट्सऐप नम्बर जारी किया गया है। आम जनता नौ पांच तीन एक आठ पांच छः शून्य आठ तीन पर डायल कर आपत्तिजनक संदेशों की जानकारी दे सकते है। जानकारी देते समय उन्हें संदेशवाहक के नम्बर आदि का विवरण देना होगा। रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस जांच–पड़ताल करेगी और नियमों के तहत कार्रवाई करेगी। इसके माध्यम से ऑनलाइन अपराध को भी रोका जा सकेगा। पुलिस ने चुनावी प्रकिया की विश्वसनीयता को बनाए रखने के लिए नागरिकों से सहयोग की कामना करते हुए उनसे सतर्क रहने को कहा है और ऐसे किसी भी सोशल मीडिया के दुरूपयोग व एस एम एस के गलत इस्तेमाल की रिपोर्ट देकर स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने में सहयोग दें।

<><><><><><><>

निकोबार ज़िले में शोम्पेन आदिम जनजाति के मतदाताओं के लिए दो मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। ज़िला निर्वाचन अधिकारी और ज़िला उपायुक्त ज्योति कुमारी ने बताया कि यदि शोम्पेन आदिम जनाजाति अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तो यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। ई वी एम के बारे में इनको जानकारी दी गई है और इन आदिम जनजाति के मतदाताओं ने बड़े उत्साह से जानकारी हासिल की।

उन्होंने कहा कि दूर–दराज के मतदान केन्द्रों में किसी भी चुनौतियों से निपटने के लिए भी योजना बनाई गई है।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार पुलिस की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और नशीले पदार्थ जब्त किए जा रहे हैं। पिछले दिनों मादक पदार्थ विरोधी पुलिस थाने की टीम ने मुख्य डाकघर में छापा मारा और जवाहर लाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय के बीए राजनीति विज्ञान के एक छात्र जी. नीरज को तीन सौ पच्चीस ग्राम गांजा के पार्सल के साथ गिरफ्तार किया। फोंगीचांग निवासी छात्र को गांजा सरकारी डाक कोरियर सेवा के माध्यम से भेजा गया था। डिगलीपुर पुलिस की ओर से भी मधुपुर क्षेत्र में छापा मारकर एक सौ तीस ग्राम गांजा जब्त किया गया और मधुपुर निवासी जगदीश चन्द्र दास को गिरफ्तार किया गया।

उधर, बिल्लीग्राउंड पुलिस ने कर्टबर्ट बे के घने जंगलों में चार सौ लीटर लहान ज़ब्त किया। इसके अलावा बकुलतला के श्यामकुंड के जंगल में भी डेढ़ सौ लीटर से अधिक लहान नष्ट किया गया। दक्षिण अंडमान पुलिस टीम की ओर से पिछले महीने के अंतिम पखवाड़े में चलाए गए अभियान के दौरान पैंसठ आबकारी के मामले विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज किए गए और बड़ी मात्रा में शराब ज़ब्त किया गया।

<><><><><><><>

निर्वाचन आयोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप पर फैलाए जा रहे उस भ्रामक संदेश को फर्जी करार दिया जिसमें कहा गया है कि सरकारी कर्मचारी डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान नहीं कर सकते। एक सोशल मीडिया पोस्ट में आयोग ने कहा कि चुनाव ड्यूटी पर तैनात पात्र अधिकारी मतदाता सुविधा केन्द्र से डाक मतपत्र के जरिये मतदान कर सकते हैं। आयोग ने लोगों से जागरुक रहने और भ्रामक संदेशों से सतर्क

रहने को कहा है। प्रामाणिक जानकारी के लिए लोगों को आयोग की आधिकारिक वेबसाइट देखने को कहा गया है।

<><><><><><><><>

सरकार ने दवाओं की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि का दावा करने वाली मीडिया रिपोर्टों को गलत और भ्रामक करार दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इन रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कीमत बढ़ने से पांच सौ से ज्यादा दवाएं प्रभावित होंगी। मंत्रालय ने कहा कि ऐसी खबरें पूरी तरह से झूठी, भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण हैं। इसमें कहा गया है कि औषधि विभाग के तहत राष्ट्रीय फार्मास्यूटिकल मूल्य निर्धारण प्राधिकरण सालाना थोक मूल्य सूचकांक के आधार पर दवाओं की अधिकतम कीमतों को संशोधित करता है। मंत्रालय ने कहा है कि सात सौ बयासी दवाओं के लिए मौजूदा अधिकतम कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जबकि चौवन दवाओं में एक पैसे की मामूली वृद्धि की गई है।

<><><><><><><><>

मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रिजर्व बटालियन की ओर से कमांडेंट श्वेता के. सुगथन की देखरेख में बुलेट रैली का आयोजन किया गया। यह रैली डिप्टी कमांडेंट नवीन कुमार के नेतृत्व में पोर्ट मोर्ट के आईआरबीएन मुख्यालय से आरंभ हुई और मीठाखाड़ी, नमूनाघर, शैतानखाड़ी, फरारगंज, ओग्राब्रांज छोलदारी, सीपीघाट, नयाशहर, गुप्तापाड़ा, मंगलूटान होते हुए वंडूर पहुंचकर सम्पन्न हुई। इस रैली में सौ आईआरबीएन कर्मियों ने पचास बुलेट मोटरसाइकिलो में मतदान के महत्व से संबंधित प्रेरक संदेशों वाले बैनरों के साथ लगभग पचहत्तर किलोमीटर का सफर तय किया।

<><><><><><><><>

मंत्रालय के सचिव अपूर्व चन्द्रा ने कल नई दिल्ली में आईओएस मोबाइल माई सीजीएचएस एप का अनावरण किया। इस एप पर केन्द्रीय कर्मचारी स्वास्थ्य योजना – सीजीएचएस के लाभार्थी अपने स्वास्थ्य सम्बंधी रिकार्ड और जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। श्री चन्द्रा ने कहा कि इस एप पर चिकित्सकों के साथ ऑनलाइन अपॉइंटमेंट, लैब रिपोर्ट, दवाओं सम्बंधी जानकारी जैसी आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध हैं।

<><><><><><><><>

एम.वी. स्वराजद्वीप सात अप्रैल को सुबह दस बजे चेन्नई से पोर्ट ब्लेयर के लिए छूटेगा। यह जहाज दस अप्रैल को पोर्ट ब्लेयर पहुंचेगा।

<><><><><><><><>